आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

बुधवार 20.08.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने नामांकन दाखिल किया।
- भराड़ीसैंण विधानसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच सदन में अनुपूरक बजट सहित सभी नौ विधेयक पारित। सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित।
- केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 350 करोड़ रुपए की पहली किस्त मंजूर की।
- पिथौरागढ़ में तीन दिवसीय पासपोर्ट शिविर लगाया गया। हर दिन 50 लोगों के पासपोर्ट बनाए जाएंगे।

उपराष्ट्रपति पद नामांकन

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन– एनडीए के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी राधाकृष्णन ने आज संसद भवन में अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे.पी नड्डा और किरेन रिजिजू सहित एनडीए गठबंधन के अन्य नेता उपस्थित थे। नामांकन दाखिल करने से पहले श्री राधाकृष्णन ने संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। विपक्ष के इंडिया गठबंधन ने उप–राष्ट्रपति पद के लिए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को प्रत्याशी बनाया है। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 9 सितम्बर को होगा।

विधानसभा सत्र

भराड़ीसैंण में राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन आज सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 5 हजार 315 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सहित सभी नौ विधेयक पारित किए गए। इसी के साथ सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सदन में विपक्ष के शोर–शराबे के बीच उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता संशोधन विधेयक, उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक और समान नागरिक संहिता संशोधन विधेयक सहित अन्य विधेयक पारित किए गए।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने सत्र को सुचारू रूप से चलाने के पूरे प्रयास किए, लेकिन विपक्ष के सदस्यों के हंगामे के कारण ऐसा नहीं हो पाया।

उधर, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि सरकार की मंशा सत्र चलाने की नहीं थी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था और आपदा पर चर्चा होनी चाहिए थी। लेकिन आनन–फानन में अनुपूरक बजट सहित सभी विधेयक पारित किए गए।

एक पेड़ मां के नाम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने गैरसैंण–भराड़ीसैंण में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधा रोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण

चम्पावत जिले के लोहाघाट में आज से दो दिवसीय आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान संबंधित विभागों, स्वयं सेवी सस्थाओं और स्थानीय लोगों को प्राकृतिक आपदाओं के बारे में जागरूक करने के साथ ही बचाव संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम उप निदेशक डॉ. मंजू पाण्डेय ने बताया कि इसका उद्देश्य आपदा के समय त्वरित रूप से जान–माल के बचाव व नुकसान को कम करना है।

पीएमजीएसवाई किस्त

केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चालू वित्तीय वर्ष में 350 करोड़ रुपए की पहली किस्त मंजूर की है। इस योजना के लिए केंद्रीय सहायता के अंतर्गत कुल 702 करोड़ 63 लाख मंजूर किए गए थे। इस किस्त के जारी होने के बाद उत्तराखंड को अब तक करीब 640 करोड़ रुपए मिल चुके हैं, जबकि 62 करोड़ 76 लाख रुपए अभी जारी किये जाने शेष हैं। केंद्र ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि निधियों का शीघ्र उपयोग किया जाए और वित्त मंत्रालय के दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए सभी सिंगल नोडल एजेंसी खातों को बंद कर शेष राशि वापस की जाए। केंद्र द्वारा जारी इस राशि से उत्तराखंड में ग्रामीण सड़कों का जाल मजबूत होगा, जिससे दूर–दराज़ इलाकों के लोगों को स्कूल, अस्पताल और बाज़ार तक बेहतर पहुँच मिल सकेगी।

पासपोर्ट शिविर

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय देहरादून द्वारा आज नगर निगम सभागार पिथौरागढ़ में पासपोर्ट शिविर लगाया गया है। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी विजय शंकर पांडे ने कहा कि तीन दिनों तक चलने वाले इस शिविर में हर दिन 50 लोगों के पासपोर्ट बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रदेश के सीमांत क्षेत्र के लोगों में पासपोर्ट बनाने को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है, भविष्य में भी यहां और शिविर लगाए जाएंगे।

स्थानीय निवासी नीरज कुमार का कहना है कि दूरस्थ क्षेत्र में पासपोर्ट शिविर लगाए जाने से जहां उनके समय और धन की बचत हो रही है, वहीं घर पर ही उन्हें पासपोर्ट का लाभ मिल रहा है।

पिटकुल सब–स्टेशन नुकसान

बागेश्वर नगर के नारायण देव वार्ड स्थित पिटकुल का 132 के.वी सब–स्टेशन भूस्खलन की चपेट में आ गया। सुरक्षा की दृष्टि से केंद्र की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है और जिले को अस्थायी रूप से अल्मोड़ा के ताकुला फीडर से बिजली दी जा रही है। आज पिटकुल और यूपीसीएल के प्रबंध निदेशकों ने संयुक्त रूप से सब–स्टेशन का निरीक्षण किया। पिटकुल के प्रबंध निदेशक पी.सी ध्यानी ने बताया कि इसके लिए वड़ोदरा से विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम बुलाई जा रही है।

वहीं, यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक अमित कटारिया ने बताया कि ताकुला–अल्मोड़ा लाइन से बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई है और रानीखेत लाइन से भी जोड़कर आपूर्ति को और स्थिर किया जाएगा।